यहां के स्थानीय निवासियों के समय की बचत होने के साथ-साथ उनकी परेशानी भी कम हो सके, धन्यवाद।

Demand to counter hostile Drone activity on the India-Pakistan Border

श्री संदीप कुमार पाठक (पंजाब) : सर, मैं आपके माध्यम से सदन में एक महत्वपूर्ण विषय को रखना चाहता हूँ, जिसका सीधा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और बॉर्डर एरिया में रहने वाले जो जनमानस हैं, उनके जनजीवन से संबंधित है। सर, पंजाब का लगभग साढ़े पाँच सौ किलोमीटर जो बॉर्डर है, वह सीधे पाकिस्तान से लगता है। ड्रोन का जो intrusion है, वह पिछले कई सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है। 2020 में लगभग 50 ड्रोन्स देखे गए थे, उसके बाद हर साल यह 50 और 100 करते-करते पिछले साल लगभग 300-350 के आसपास ड्रोन्स देखे गए थे। इसमें सबसे चिंताजनक बात यह है कि number of drones, जिनको security forces के द्वारा neutralise किया जा रहा है, वह काफी कम है, just few percentage है। इसका मतलब majority of the drones बॉर्डर के इस तरफ इंडिया में लैंड करते हैं और फिर वापस fly back कर जा रहे हैं। अगर यह continue रहा, तो आपको तो पता है कि अब कोई भी देश आमने-सामने होकर लड़ाई नहीं करता है, बल्कि proxy war चलता है, इसलिए पाकिस्तान बॉर्डर बेल्ट पर ड्रोन को जो यूज़ कर रहा है, वह बहुत ही सीरियस है। मैं आपको बता दूँ कि पाकिस्तान mostly चीन और तुर्की से ड्रोन import कर रहा है। हमारे देश में anti-drone technology अभी advanced नहीं है। हमें उन्हें तुरंत acquire करना चाहिए। इसमें एक important चीज यह है कि हमें इसमें ट्रेनिंग को भी देखने की जरूरत है, क्योंकि जो first line of commission है, वह बीएसएफ की है और second line of control obviously State police की रहती है। क्या बीएसएफ properly equipped है in terms of training and technology also? सर, मैं ओवरऑल यही कहना चाहता हूँ कि not only national security, बल्कि जो लोग बॉर्डर में रह रहे हैं, उनके जीवन को आप इमेजिन कीजिए, बाकी बॉर्डर की समस्याएं तो हैं ही। ड्रोन से जो ड्रग्स इधर भेजा जाता है, वह इधर आता है, उसके बाद वह पूरे का पूरा गांव सील हो जाता है और वहां पर एक-एक घर को सर्च किया जाता है, obviously for safety and security reasons. जब तक आप इसके लिए zero tolerance या zero intrusion policy नहीं लाएँगे और यह practically possible है, तब तक यह समस्या खत्म नहीं होगी। हमारे पास जितनी भी conventional technologies हैं, वे high altitude technology की हैं। ड्रोन low altitude में फ्लाई करता है और low altitude में फ्लाई करने के कारण यहाँ पर टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करना पड़ेगा। यह एक ऐसी चीज है, जिसको आप वन शॉट में एड्रेस कर सकते हैं और large number of equipments can be imported, लेकिन इस पर ध्यान देना पड़ेगा।

सर, मैं एक चीज और बता दूं कि पाकिस्तान या कोई भी देश इसको हाईलाइट नहीं करना चाहेगा। वह ड्रोन्स को सिर्फ strategic purpose के लिए यूज़ करेगा। वह बम नहीं गिराने वाला है, rarest of the rare cases में वह ऐसा करेगा, बाकी information को इधर भेजेगा, ड्रग्स भेजेगा, arms भेजेगा, ammunitions भेजेगा और terrorist activity के लिए यूज़ करेगा, ताकि सरकार की नजर में न आए और वह यह continue करे।

सर, मेरा सब्मिशन यह है कि proxy war का यही तरीका है। इसको सरकार को एक शॉट में ही करना चाहिए। स्पेशली पंजाब के bordering area में जो अमृतसर और तरनतारन है, यहां पर बहुत ज्यादा ड्रोन्स की एक्टिविटीज हैं।..(समय की घंटी)... मैं आपके माध्यम से सरकार से रिक्वेस्ट करता हूँ कि यह doable है, इसलिए इसको किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Sandeep Kumar Pathak:- Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Dr. John Brittas (Kerala).

श्री उपसापति : धन्यवाद, माननीय संदीप जी। माननीय डा. सिकंदर कुमार।

Misleading facts related to Indian history mentioned in the Museum of Union Public Service Commission, New Delhi

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश) : मान्यवर, मैं एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ, जो कि भारत के इतिहास के ऐतिहासिक तथ्यों के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के संग्रहालय में उल्लेखित इतिहास के तथ्यों के भ्रमित प्रचार के संदर्भ में है। इस संग्रहालय में प्रदर्शित इतिहास में महान योद्धाओं और प्रशासकों के योगदान के बारे में तथ्यों की गलत व्याख्या की गई है। इनमें अलाउद्दीन खिलजी, शेरशाह सूरी और मुगलों जैसे आक्रमणकारियों को भारतीय इतिहास में सबसे महान योद्धा और प्रशासक बताया गया है तथा भारतीय इतिहास के महान योद्धाओं व प्रशासकों, गुप्त सम्राटों, चोल सम्राटों, विजयनगर सम्राटों, मराठा सम्राटों आदि के ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित योगदान का उल्लेख ही नहीं है, जिसके कारण इस संग्रहालय में आने वाले भारतीय और विदेशी आगंतुकों द्वारा गलत ऐतिहासिक तथ्यों को सत्य मान कर भविष्य की पीढ़ी को गलत संदेश जा रहा है। इससे वर्तमान भारत में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भ्रमित तथ्यों का प्रचार होगा, जिसका असर आने वाले भविष्य पर पड़ेगा।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि भारतीय इतिहास के ऐतिहासिक तथ्यों, जो कि संघ लोक सेवा आयोग के संग्रहालय में उल्लेखित हैं, उनका अविलंब निराकरण करवाया जाए और भारतीय इतिहास के महान योद्धाओं व प्रशासकों, गुप्त सम्राटों, चोल सम्राटों, विजयनगर सम्राटों, मराठा सम्राटों आदि के ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित असीम योगदान को रेखांकित करवाया जाए, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Dr. Sikander Kumar:- Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Dr. Bhagwat Karad (Maharashtra), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Naresh